वार्षिक पाठ्यक्रम योजना

सत्र - 2020-21

विषय -हिंदी (साहित्य)

कक्षा –आठवीं

अप्रैल से सितंबर

दूरदर्शिता-छात्राएँ लेखन एवं वाचन कला में निपुण होगी। इनकी हिंदी के प्रति रूचि जागृत होगी। छात्राओं के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास होगा। महान कवियों व महापुरुषो के द्वारा दी गई सीख को अपने भावी जीवन में धारण करेंगीं।

पाठ का नाम	अभिनव शिक्षण शास्त्र एवं संक्रमण रणनीतियाँ	अध्ययन के परिणाम	मुख्य कौशल/कला एकीकरण/अंतर्विषयक
1. ध्वनि	आज पूरे विश्व में कोरोना महामारी फैली हुई है जिसके कारण सभी शिक्षण संस्थान बंद है। इसलिए ऑनलाइन कक्षा ही विकल्प है जिससे छात्राओं को शिक्षा दी जा रही है। इसलिए पीपीटी और स्क्रीन शेयर करके कविता का आरोह-अवरोह एवं लय के साथ गायन करवाया और छात्राओं को भी गायन के लिए प्रेरित करेंगें। लेखक की भाषा शैली, अन्तर्निहित भाव व विचारों का स्पष्टीकरण करेंगें। भाव को जगाने एवं रूचि बढ़ाने वाले प्रश्न पूछे जाएँगें। छात्राओं से उत्तर पाकर अध्यापिका स्वयं संतोषजनक उत्तर देंगी। ऑनलाइन कक्षा कार्य, गृहकार्य संकल्पपूर्ण कराएँगी।	-छात्राओं के जोश एवं उत्साह में वृद्धि। -छात्राएँ निराशा एवं आलस्य का त्याग करेंगी। -छात्राओं का प्राकृतिक सौंदर्य के प्रति रुझान। -कविता के भावों को ग्रहण करने की क्षमता का विकास।	-वाचन व लेखन कौशल का विकास। -सभी छात्राओं को "बसंत" पर एक स्वरचित कविता लिखने को कहेगें। - पर्यावरण अध्ययन
2. लाख की चूड़ियाँ	ऑनलाइन कक्षा में छात्राओं से शुद्ध एवं पूर्ण उतार-चढ़ाव के साथ विराम-चिह्नों को ध्यान में रखते हुए पाठ का वाचन कराएँगी। पाठ की पीपीटी भी दिखाई जाएगी। विषयवस्तु में प्रयुक्त भाषिक तत्व-कठिन शब्द, मुहावरे,सूक्तियाँ, समासयुक्त पदावली आदि का स्पष्टीकरण करेंगी।प्रश्नोत्तर द्वारा छात्राओं की सहभागिता सुनिश्चित करेंगी। ऑनलाइन कक्षा में छात्राओं के साथ आत्मीयता का भाव स्थापित करने का प्रयत्न किया जाएगा।	-बेरोजगार कारीगरों की व्यथा को समझने की क्षमता का विकास। -छात्राओं में गरीबों के प्रति सहानुभूति का भाव जागृत होना। -छात्राएँ मानव जीवन के विविध पहलुओं से परिचित होगी।	-पठन व श्रवण कौशल का विकास। -सभी छात्राओं से कहेंगें कि "लाख की चूड़ियाँ" पूरी कहानी का नाट्य रूपातंरण करके कक्षा में अभिनय कीजिए। -अर्थशास्त्र
3. भगवान के डाकिए	ऑनलाइन कक्षा में कविता का आरोह-अवरोह एवं लय के साथ आदर्श वाचन के उपरांत छात्राओं से अनुकरण वाचन कराया जाएगा। कविता की पीपीटी भी दिखाई जाएगी। कविता के भाव-सौंदर्य के स्पष्टीकरण के साथ-साथ विभिन्न युक्तियों द्वारा श्यामपट्ट पर काठिन्य निवारण कराया जाएगा। भाव को जगाने एवं रूचि बढ़ाने वाले प्रश्न पूछे जाएँगें। ऑनलाइन कक्षा कार्य, गृहकार्य संकल्पपूर्ण कराएँगी।	-भगवान के भेजे हुए संदेश को सब जगह प्रसारित करने का पवित्र भाव उत्पन्न होगा। -छात्राओं में आध्यात्मिक ज्ञान के प्रति रुझान होगा। -काव्य के विविध स्वरुप तथा उनकी विशिष्टताओं से परिचित होगीं।	-वाचन व लेखन कौशल का विकास। -सभी छात्राओं से भगवान के दिए गए संदेशों पर वार्तालाप कराया जाएगा। - पर्यावरण अध्ययन
4. क्या निराश हुआ जाए	ऑनलाइन कक्षा में छात्राओं से शुद्ध एवं पूर्ण उतार-चढ़ाव के साथ विराम-चिह्नों को ध्यान में रखते हुए पाठ का वाचन कराएँगी। साथ ही लेखक की भाषा शैली, अन्तर्निहित भाव व विचारों का स्पष्टीकरण करेंगी। महत्वपूर्ण पंक्तियों को रेखांकित कराएँगी। गद्यांश से संबंधित प्रश्न पुछेगी। ऑनलाइन कक्षा कार्य, गृहकार्य संकल्पपूर्ण कराएँगी।	-निराशावादी की बजाय आशावादी दृष्टिकोण होने का भाव। -छात्राओं का भारतीय महापुरुषो के प्रति आदर का भाव। -प्रत्येक कार्य को मेहनत एवं लगन से करने की भावना का विकास। -रचनात्मक कार्य हेतु छात्राओं की मानसिक शक्ति का विकास होगा।	--वाचन व लेखन कौशल का विकास। - सभी छात्राओं से एक दिन में एक गरीब व्यक्ति की मदद करने को कहेंगी। - नैतिक शास्त्र

5. सूर के पद	ऑनलाइन कक्षा में पदों का आरोह-अवरोह एवं लय के साथ भावपूर्ण ढंग से गायन करना। छात्राओं को भी गायन के लिए प्रेरित करना। कविता की पीपीटी भी दिखाई जाएगी। कवि की भाषा शैली, अन्तर्निहित भाव व विचारों का स्पष्टीकरण करना। कविता में निहित भाव एवं शब्द सौंदर्य का प्रश्नोत्तर द्वारा विश्लेषण करना। छात्राओं की सहभागिता सुनिश्चित करना। ऑनलाइन कक्षा कार्य, गृहकार्य संकल्पपूर्ण कराएँगी। ऑनलाइन कक्षा में छात्राओं के साथ आत्मीयता का भाव स्थापित करने का प्रयत्न किया जाएगा।	-छात्राओं को श्रीकृष्ण की अनेक लीलाओं का ज्ञान। -छात्राओं का माँ के प्रति अनन्य प्रेम जाग्रत होगा। -छात्राओं की काव्य के प्रति रूचि उत्पन्न होगी। -रस, छंद, अलंकार आदि तत्वों के ज्ञान में वृद्धि।	-पठन, वाचन व लेखन कौशल का विकास। -छात्राओं से सूर के चित्र के साथ-साथ उनका जीवन-परिचय भी लिखवाना और उनके पदों को कंठस्थ करवाना। -नैतिक शास्त्र
हिंदी व्याकरण	**अभिनव शिक्षण शास्त्र एवं संक्रमण रणनीतियाँ**	**अध्ययन के परिणाम**	**मुख्य कौशल/कला एकीकरण/अंतर्विषयक**
-वर्ण विचार -संधि-व्यंजन, विसर्ग -शब्द विचार - समास, उपसर्ग-प्रत्यय -शब्द-भंडार, संज्ञा -संज्ञा के विकारी तत्व - क्रिया, कारक -मुहावरे व लोकोक्तियां	ऑनलाइन कक्षा में पीपीटी के द्वारा सभी विषयों का स्पष्टीकरण करना। दैनिक वस्तुओं का उदाहरण देकर विषय का पुष्टिकरण करना। उपसर्ग को समझाने के लिए दस शब्दों की सूची बनवाई जिनमें उपसर्ग लग जाने से वे मूल शब्द के विलोम शब्द बन जाते हैं। इस प्रकार सामान्य से विशिष्ट की ओर बढ़ते हुए शिक्षण कार्य संपादित कराया गया।	-छात्राएँ भाषा के शुद्ध रूप को समझने, लिखने, बोलने एवं पढ़ने के लिए प्रेरित होगी। -भाषा की शुद्धता के प्रति आदर एवं निष्ठा की भावना का विकास होना। -व्याकरण-नियमों की जानकारी होना।	-पठन, वाचन व लेखन कौशल का विकास। -प्रत्येक विषय के लिए एक-एक गतिविधि करवाई। जैसे संज्ञा के लिए व्यक्तियों , वस्तुओं, स्थानों के नाम की एक सूची बनवाई। - अंग्रेजी व्याकरण
(लेखन)	**अभिनव शिक्षण शास्त्र एवं संक्रमण रणनीतियाँ**	**अध्ययन के परिणाम**	**मुख्य कौशल/कला एकीकरण/अंतर्विषयक**
-पत्र -निबंध -रचनात्मक अभिव्यक्ति - संवाद लेखन	छात्राओं को लेखन कला में दक्ष बनाना। इसके लिए सरल व स्पष्ट भाषा का प्रयोग छात्राओं द्वारा करवाना। शब्द सीमा का भी ध्यान रखवाया। विषय के प्रस्तुतीकरण पर विशेष ध्यान दिया गया। भाषागत शुद्धता के प्रति भी ध्यान आकर्षित करवाना।	-स्वतंत्र अभिव्यक्ति का विकास। -सृजनात्मकता एवं तार्किकता का विकास। -अपने भावों को सोदाहरण समझाने की प्रवृति का विकास। -हिंदी भाषा के प्रति रूचि। - कल्पना शक्ति का विकास।	-लेखन कौशल का विकास। -रचनात्मक अभिव्यक्ति के लिए सभी छात्राओं से डायरी, संवाद, कहानी, भाषण और प्रतिवेदन का अभ्यास कराया जाएगा। - अंग्रेजी व्याकरण

अक्टूबर से मार्च

पाठ का नाम	अभिनव शिक्षण शास्त्र एवं संक्रमण रणनीतियाँ	अध्ययन के परिणाम	मुख्य कौशल/कला एकीकरण/अंतर्विषयक
6. कबीर की साखियाँ	साखियों का आरोह-अवरोह एवं लय के साथ भावपूर्ण ढंग से गायन करना और छात्राओं को भी गायन के लिए प्रेरित करना। कवि की भाषा शैली, अन्तर्निहित भाव व विचारों का स्पष्टीकरण करना। कविता में निहित भाव सौंदर्य एवं शब्द सौंदर्य का प्रश्नोत्तर द्वारा विश्लेषण करना। छात्राओं की सहभागिता सुनिश्चित करना। कक्षा कार्य, गृहकार्य संकल्पपूर्ण कराएँगी।	-छात्राओं में किसी का भी अपमान न करने की भावना का विकास। -मीठी वाणी बोलने का सकारात्मक प्रभाव। -छात्राओं में जाति-पाँति की भावना से ऊपर उठने का भाव विकसित होगा। -साखियों को लयबद्ध ढंग से बोलने की योग्यता का विकास होगा।	-पठन, वाचन व लेखन कौशल का विकास। -छात्राओं से कबीर के चित्र के साथ-साथ उनका जीवन परिचय भी लिखवाना और उनकी साखियों को कंठस्थ करवाना। -नैतिक शास्त्र
7. कामचोर	छात्राओं से शुद्ध एवं पूर्ण उतार-चढ़ाव के साथ विराम-चिह्नों को ध्यान में रखते हुए पाठ का वाचन कराएँगी। विषयवस्तु में प्रयुक्त भाषिक तत्व-कठिन शब्द, मुहावरे,सूक्तियाँ, समासयुक्त पदावली आदि का स्पष्टीकरण करेंगी। प्रश्नोत्तर द्वारा छात्राओं की सहभागिता सुनिश्चित करेंगी। शिक्षण की इस प्रक्रिया में कहानी का आनंद कहीं लोप न हो जाए, इसका ख्याल अवश्य रखेंगी।	-छात्राएँ आलस्य, कामचोरी, निकम्मेपन की प्रवृति का त्याग करेंगी। -छात्राएँ नौकरों की बजाय स्वयं छोटे-छोटे काम करने को प्रेरित होगी। -आत्मविश्वास में वृद्धि।	-पठन व श्रवण कौशल का विकास। -सभी छात्राओं से कहेंगें कि "कामचोर" पूरी कहानी का नाट्य रूपातंरण करके कक्षा में अभिनय कीजिए। -नैतिक शास्त्र

8. अकबरी लोटा	छात्राओं की पूर्वज्ञान परीक्षा लेने के लिए उनसे अकबर के बारे में पुछेगी। छात्राओं से उत्तर पाकर स्वयं संतोषजनक उत्तर देंगी। और पाठ का शुद्ध एवं पूर्ण उतार-चढ़ाव के साथ छात्राओं से वाचन कराएँगी। विषयवस्तु में समाहित कठिन अंश का प्रश्नोत्तर द्वारा विश्लेषण करेंगी और छात्राओं की सहभागिता सुनिश्चित करेंगी। शिक्षण की इस प्रक्रिया में कहानी का आनंद कहीं लोप न हो जाए, इसका ख्याल अवश्य रखेंगी।	-मुसीबत के समय अपने मित्र की मदद करने का भाव जागृत होगा। -अपने स्वार्थ के लिए किसी की मूर्ख न बनाने का भाव। -छात्राएँ स्वदेशी वस्तुओं के प्रति आकर्षित होगी।	-पठन, वाचन व लेखन कौशल का विकास। -सभी छात्राओं को किसी भी पुरानी चीज के बारे में कोई मजेदार कहानी सुनाने को कहेंगें। -इतिहास
9. "सुदामा चरित"	कविता का आरोह-अवरोह एवं लय के साथ भावपूर्ण ढंग से गायन करना और छात्राओं को भी गायन के लिए प्रेरित करना। कविता के भाव का स्पष्टीकरण के साथ-साथ विभिन्न युक्तियों द्वारा श्यामपट्ट पर काठिन्य निवारण करना। प्रत्येक पद्यांश से संबंधित प्रश्न पूछना और छात्राओं की सहभागिता सुनिश्चित करना। कक्षा कार्य, गृहकार्य संकल्पपूर्ण कराएँगी।	-छात्राओं में काव्य के प्रति प्रेम जागृत होगा। -छात्राएँ अपने जीवन में सुदामा और श्रीकृष्ण की सच्ची दोस्ती की मिसाल से प्रभावित होगीं। -छात्राएँ रस, छंद, अलंकार आदि तत्वों के महत्व से परिचित होगीं।	-वाचन व लेखन कौशल का विकास। -सभी छात्राओं से सुदामा और श्रीकृष्ण के चित्र के साथ उनकी सच्ची दोस्ती पर एक अनुच्छेद लिखने को कहेगें। -नैतिक शास्त्र
10. बाज और साँप	छात्राओं से शुद्ध एवं पूर्ण उतार-चढ़ाव के साथ विराम-चिह्नों को ध्यान में रखते हुए पाठ का वाचन कराएँगी। महत्वपूर्ण पंक्तियों को रेखांकित कराया जाएगा। दैनिक जीवन से संबंधित उदाहरण दिए जाएँगें। पाठ में समाहित कठिन अंश का प्रश्नोत्तर द्वारा विश्लेषण किया जाएगा। प्रश्नोत्तर द्वारा छात्राओं की सहभागिता सुनिश्चित करेंगी। कक्षा कार्य, गृहकार्य संकल्पपूर्ण कराएँगी।	-छात्राएँ आज़ादी के महत्व से अवगत होंगी। -प्रत्येक छात्राओं में साहस, वीरता और बहादुरी से कार्य करने की भावना जागृत होगी। -छात्राएँ वाचन-कला में कुशल होगी।	-पठन व लेखन कौशल का विकास। -सभी छात्राओं से कहेंगें कि "बाज और साँप" की पूरी कहानी का नाट्य रूपातंरण करके कक्षा में अभिनय कीजिए। -जीव-विज्ञान
हिंदी व्याकरण	**अभिनव शिक्षण शास्त्र एवं संक्रमण रणनीतियाँ**	**अध्ययन के परिणाम**	**मुख्य कौशल/कला एकीकरण/अंतर्विषयक**
- सर्वनाम -विशेषण -काल -वाच्य -अविकारी शब्द -वाक्य शोधन - वाक्य विचार -विराम-चिह्न -अलंकार	सभी विषयों का स्पष्टीकरण करना। दैनिक वस्तुओं का उदाहरण देकर विषय का पुष्टिकरण करना। शिक्षण की इस प्रक्रिया में अधिगम का कहीं लोप न हो जाए, इसका ख्याल अवश्य रखेंगी।इस प्रकार सामान्य से विशिष्ट की ओर बढ़ते हुए शिक्षण कार्य संपादित कराया गया।	-छात्राएँ भाषा के शुद्ध रूप को समझने, लिखने, बोलने एवं पढ़ने के लिए प्रेरित होगी। -भाषा की शुद्धता के प्रति आदर एवं निष्ठा की भावना का विकास होना। -व्याकरण-नियमों की जानकारी होना।	-पठन, वाचन व लेखन कौशल का विकास। -प्रत्येक विषय के लिए एक-एक गतिविधि करवाई। जैसे वाक्य के लिए अपने सामान्य बोलचाल के सरल वाक्यों को संयुक्त तथा मिश्र वाक्यों में बदलने का अभ्यास कीजिए। - अंग्रेजी व्याकरण
हिंदी व्याकरण (लेखन)	**अभिनव शिक्षण शास्त्र एवं सक्रमण रणनीतियाँ**	**अध्ययन के परिणाम**	**मुख्य कौशल/कला एकीकरण/अंतर्विषयक**
-पत्र -निबंध - विज्ञापन लेखन	छात्राओं को लेखन कला में दक्ष बनाना। इसके लिए सरल व स्पष्ट भाषा का प्रयोग छात्राओं द्वारा करवाना। शब्द सीमा का भी ध्यान रखवाया। विषय के प्रस्तुतीकरण पर विशेष ध्यान दिया गया। भाषागत शुद्धता के प्रति भी ध्यान आकर्षित करवाना। पत्र लेखन के लिए छात्राओं को अपने किसी संबंधी को वास्तव में पत्र लिखकर भेजने को कहा जाएगा।	-स्वतंत्र अभिव्यक्ति का विकास। -सृजनात्मकता एवं तार्किकता का विकास। -अपने भावों को सोदाहरण समझाने की प्रवृति का विकास। -हिंदी भाषा के प्रति रूचि।	-पठन व लेखन कौशल का विकास। -पत्र लेखन के लिए छात्राओं को अपने किसी संबंधी को वास्तव में पत्र लिखकर भेजने को कहा जाएगा। - अंग्रेजी व्याकरण